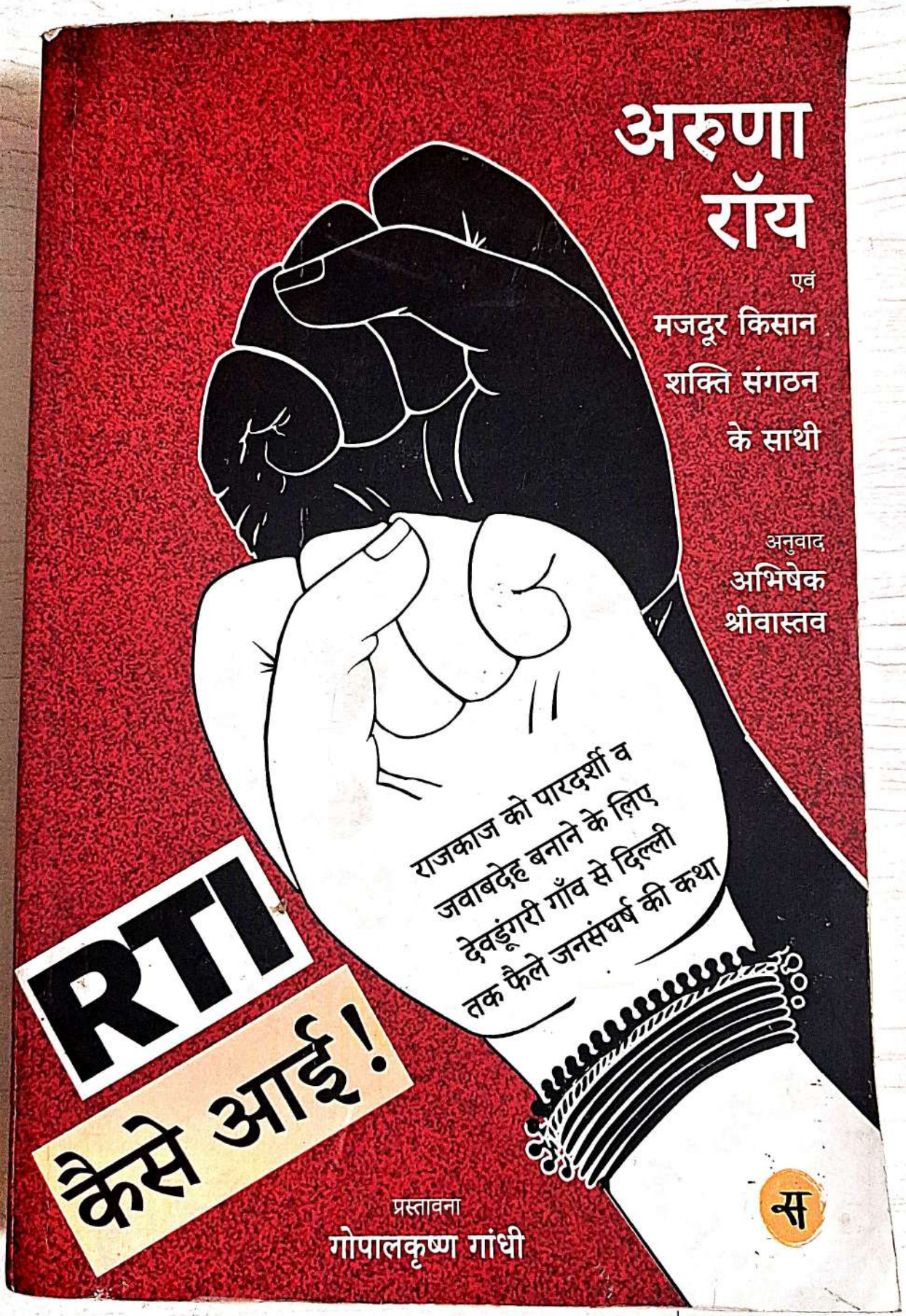

अरुणा रॉय
एवं
मजदूर किसान शक्ति संगठन के साथी
अनुवाद
अभिषेक श्रीवास्तव
राजकाज को पारदर्शी व जवाबदेह बनाने के लिए देवडूंगरी गाँव से दिल्ली तक फैले जनसंघर्ष की कथा
RTI
कैसे आई!
प्रस्तावना
गोपालकृष्ण गांधी
स

RTI
कैसे आई !

राजकाज को पारदर्शी व
जवाबदेह बनाने के लिए
देवडूंगरी गाँव से दिल्ली
तक फैले जनसंघर्ष की कथा

"ब्यावर की गलियों से उठकर राज्य की विधानसभा से होते हुए संसद के सदनों और उसके पार विकसित होते एक जन आन्दोलन को मैंने बड़े उत्साह के साथ देखा है। यह पुस्तक, अपनी कहानी की तर्ज पर ही जनता के द्वारा और जनता के लिए है। मैं खुद को इस ताकतवर आन्दोलन के एक सदस्य के रूप में देखता हूँ।"

कुलदीप नैयर, मूर्धन्य पत्रकार और मानवाधिकार कार्यकर्ता

"हाल के वर्षों में आरटीआइ सर्वाधिक अहम कानूनों में एक रहा है। इसे यदि कायदे से लागू किया जाए तो इसका इस्तेमाल शहरी और ग्रामीण गरीबों को उनकी जिन्दगी के बुनियादी हक दिलवाने और कुछ हद तक सामाजिक न्याय सुनिश्चित कराने में किया जा सकता है।"

रोमिला थापर, सुप्रसिद्ध इतिहासकार

आवरण : अनिल आहूजा

सार्थक

राजकमल प्रकाशन का उपक्रम

समाज | राजनीति | अनुवाद

₹299

9 789387 462830

www.rajkamalprakashan.com

लेखक फ़ोटो : गौरी गिल